

सारीख हुदम	हुदम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व अहकाम हुदम की में जारी हु
28/1/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। जवाब हेतु अक्सर चर्चा जो दिगा गगा पत्रावली वस्तु जवाब में दिगाके 4/3/25 को पेश हो।  28/1/25	
4/3/25	पत्रावली पेश हुई/वकील उभय पक्ष एवं गवाह श्री..... अधिवक्ताशहाने उपस्थित..... न्यायालय कार्य को व्यग्र क्रिया गया अतः पत्रावली पूर्णतया नुस्तार दि. 28/3/25 को पेश हो।	
20/3/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। वकील उभय पक्ष को सुना गया। वकील उभयपक्ष प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी नम्बर की मूल वाद के मिस्तराण एक मन्दास्थिति हेतु सहमत है। इसलिए प्रार्थना पत्र के परत संख्या - 2 में वर्णित मौजा गंगलवाड के खता संख्या 217 में वर्णित आराजी नम्बर 2587/27, 2588/27 किता आराजी - 2 कुलकाबा 0.8700 है एवं खता सं. 687 में वर्णित आराजी नम्बर 2586/27 एकबा 2.3900 है। अग्रे स्थित दोनों प्रार्थीगण को पैतृक पुत्रहोनी की है। खता सं. 217 में वर्णित आराजी नम्बर में प्रत्येक प्रार्थीगण का अलग-अलग 9/40 एक हिस्सा आधी संख्या 1 व 2 का बनता है। प्रार्थी संख्या 2 का 1/20 एक हिस्सा है तथा विपक्षी सं. 1 का 1/2 एक हिस्सा है। तथा खता संख्या 687 में प्रार्थी संख्या 1 व 2 का अलग- अलग 3029/13200 एक हिस्सा एवं प्रार्थी संख्या - 2 का 163/3450 एक हिस्सा है एवं विपक्षी संख्या - 1 का 153/320 एक हिस्सा है। अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाता है। तथा दोनों पक्षों को अस्थायी निषेधाज्ञा के स्वयं अदिश से पाबंद किया जाता है कि मौजा एवं राजस्व रेकर्ड की मन्दास्थिति मूल वाद के मिस्तराण एक बनाने शर्तें पत्रावली के मूल वाद के अन्तर्गत से कम हो।  उपखण्ड अधिकारी डूंगला	

Handwritten signature/initials in blue ink.



Handwritten notes in blue ink: 'नी अद', 'न्याय सि', and other illegible scribbles.

**श्री न्यायालय उपर**

1. श्री नारायण पिता गोरु ज डूंगला जिला चित्तौडगढ
2. श्री बहादुर पिता गोरु ज डूंगला जिला चित्तौडगढ
3. श्रीमती साबुडी पति गोरु डूंगला जिला चित्तौडगढ

1. श्री रतना पिता भगा जी जिला चित्तौडगढ
2. श्री उपजीयन महोदय,
3. श्री भूमिधारी जरिये त

**प्रार्थना पत्र**

होदय जी,

**प्रार्थीगण की**

1. यह कि उक्त उनवा है। जो सुदृढ आधा निर्णय में समय ल
2. यह कि प्रार्थीगण 217 की आराजी आराजीयात का वि आराजी नम्बर 2587 / 27 2588 / 27 कुल किता 2 व तथा खाता सं0 आराजी नम्बर 2586 / 27 कुल किता 1 जमाबन्दी की वादग्रस्त आ
3. यह कि वाद सं0 217 में 9 / 40 एक विपक्षी सं0 सं0 1 व 2

